विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व–शीलगुणों के स्तर का अध्ययन

डॉ प्रेरणा दुबे
सहा. प्राध्यापक,
क्रिश्चियन एमीनेंट कॉलेज, इन्दौर
म्उंपस रू चतमतंदंतकनइमल/हंउपसण्बवउ

1.1.0 प्रस्तावना –

व्यक्तित्व का अंग्रेजी अनुवाद श्च्मतेवदंसपजलश है जो लैटिन भाषा के शब्द श्च्मतेवदंश से बना है। श्च्मतेवदंश शब्द का अर्थ 'नकाब' या 'मुखौटा' से होता है। इस शाब्दिक अर्थ को ध्यान में रखते हुए तब व्यक्तित्व को बाहरी वेशभूषा तथा दिखावे के आधार पर परिभाषित किया गया। दूसरे शब्दों में, व्यक्तित्व से तात्पर्य वह जो दूसरों को दिखाई देता है, से है। जिस व्यक्ति का बाहरी दिखावा भड़कीला एवं आकर्षक होता था, उसे अच्छे व्यक्तित्व का तथा जिसका बाहरी दिखावा साधारण एवं कम आकर्षक होता था, उसे कम अच्छा व्यक्तित्व का समझा जाता था परन्तु इस शाब्दिक अर्थ की लोकप्रियता शीघ्र ही समाप्त हो गयी और बाद में व्यक्तित्व को विभिन्न सैद्धांतिक दृष्टिकोणों से मनोवैज्ञानिकों द्वारा परिभाषित किया गया।

आलपोर्ट ;1937द्ध ने व्यक्तित्व की सभी परिभाषाओं को एकत्रित किया और पाया कि व्यक्तित्व की 49 परिभाषाएँ दी जा चुकी है।

इस परिभाषाओं का विश्लेषण करने के पश्चात ।ससचवतज ने अपनी ओर से 50 वीं परिभाषा दी जो आज भी मनौवैज्ञानिकों को मान्य है क्योंकि यह परिभाषा काफी विस्तृत तथा वैज्ञानिक है।

आलपोर्ट (।ससचवतजए 1937) के अनुसार –''व्यक्तित्व व्यक्ति के मनोदैहिक गुणों का वह गत्यात्मक संगठन है जो व्यक्ति के वातावरण के प्रति अपूर्व समायोजन को निर्धारित करता है।''

आइजनेक (म्लेमदबाए 1952) के अनुसार– ''व्यक्तित्व व्यक्ति के चरीत्र, चित्तप्रकृति, ज्ञानशक्ति तथा शरीरगठन का करीब–करीब स्थायी एवं टिकाऊ संगठन है जो वातावरण में उसके अपूर्व समायोजन का निर्धारण करता है।

आलपोर्ट तथा आइजनेक की परिभाषाओं में काफी समानता है। आइजनेक ने आलपोर्ट के समान ही व्यक्तित्व को परिभाषित करने में व्यक्तित्व के भीतरी गुणों (प्ददमत ुनंसपजपमे) तथा बाहरी गुणों अर्थात व्यवहार (ठमींअपवनत) को सम्मिलित किया है परंतु भीतरी गुणों पर अधिक बल डाला है।

बोरिंग, लैंगफील्ड तथा वैल्ड (ठवतपदहए संदहपिमसकए – ूमसकए 1962) ने व्यक्तित्व को समायोजन के आधार पर परिभाषित करते हुए कहा कि 'व्यक्तित्व व्यक्ति का अपने वातावरण के साथ विशेष अथवा सतत् समायोजन है।''

चाइल्ड (बेपसकए 1968) के अनुसार– ''व्यक्तित्व से तात्पर्य कमोबेश उन स्थायी, आतंरिक कारकों से होता है जो व्यक्ति के व्यवहार को एक समय से दूसरे समय तक संगत बनाता है तथा उन व्यवहारों से भिन्न करता है जिसे तुल्य परिस्थितियों में व्यक्ति करता है।''

वाल्टर मिशेल (सजमत डपेबीमसए 1981) के अनुसार– ''प्रायः व्यक्तित्व से तात्पर्य व्यवहार के उस विशेष पेटर्न (जिसमें चिंतन एवं संवेग भी सम्मिलित है) से होता है जो प्रत्येक व्यक्ति के जिंदगी की परिस्थितियों के साथ होने वाले समायोजन का निर्धारण करता है।''

बेरोन (ठंतवदए 1993) के अनुसार– ''व्यक्तियों के अनूठे संवेगो, चिंतनो तथा व्यवहारों के सापेक्ष रूप से स्थिर पैटर्न के रूप में व्यक्तित्व को सामान्यतः परिभाषित किया जाता है।''

ऊपर प्रमुख मनोवैज्ञानिकों द्वारा दी गयी परिभाषाओं का उल्लेख किया गया है। उपर्युक्त परिभाषाओं का एक संयुक्त विश्लेषण करने पर व्यक्तित्व का अर्थ अधिक स्पष्ट किया जा रहा है–

- **मनोशारीरिक तंत्र (च्लबीवचीलेपबंस`लेजमउ)–**

व्यक्तित्व एक ऐसा तंत्र है जिसके मानसिक तथा शारीरिक दोनों पक्ष होते हैं। इस तंत्र के मुख्य तत्व शीलगुण, संवेग, आदत, ज्ञानशक्ति, चित्तप्रकृति, चरित्र, अभिप्रेरक आदि है जो सभी मानसिक गुण है परन्तु इन सभी का आधार शारीरिक (चैलेपबंस) अर्थात व्यक्ति की ग्रन्थीय प्रक्रियाएँ एवं तंत्रिकीय प्रक्रियाएँ है अर्थात व्यक्तित्व न तो पूर्णतः मानसिक और न पूर्णतः शारीरिक बल्कि यह दोनों पक्ष का मिश्रण है।

- **गत्यात्मक संगठन (क्लदंउपब व्तहंदपेंजपवद)–**

मनोशारीरिक तंत्र (च्लबीवचीलबपंस`लेजमउ) के भिन्न–भिन्न तत्व जैसे शीलगुण, आदत आदि एक दूसरे से इस तरह सम्बन्धित होकर संगठित होते है कि उन्हें एक–दूसरे से पूर्णतः अलग नहीं किया जा सकता है। इस संगठन में परिवर्तन संभव है। अतः इसे गत्यात्मक संगठन कहा जाता है।

- **संगतता (ब्वदेपेजमदबल)–**

व्यक्तित्व में स्थायित्व का गुण होता है अतः इसमें संगतता का भी समावेश होता है। व्यक्ति का व्यवहार विभिन्न परिस्थितियों में लगभग एक समान होता है। साथ ही एक ही परिस्थिति में एक समय से दूसरे समय में भी एक व्यक्ति के व्यवहार में संगतता पायी जाती है।

- **वातावरण में अपूर्व समायोजन का निर्धारण– (क्मअमतउपदंजपवद वि नदपुनम ंकरनेजउमदज जव मदअपवतदउमदज)**

प्रत्येक व्यक्ति में मनोशारीरिक गुणों का एक ऐसा गत्यात्मक संगठन पाया जाता है जिससे उसका व्यवहार वातावरण में अपने–अपने ढंग का अपूर्व (न्दपुनम) होता है। अतः एक परिस्थिति में एक व्यक्ति का व्यवहार तुल्य परिस्थिति में अन्य व्यक्ति के व्यवहार से भिन्न होता है। साथ ही वातावरण समान होने पर भी प्रत्येक व्यक्ति का व्यवहार, विचार, संवेग आदि कुछ अपूर्व होते है, जिसके फलस्वरूप उस वातावरण के साथ समायोजन करने का ढंग भी प्रत्येक व्यक्ति में अलग–अलग होता है।

ऑलपोर्ट (1937) के अनुसार – "व्यक्तित्व व्यक्ति के मनोदैहिक गुणों का गत्यात्मक संगठन है जो वातावरण के साथ अपूर्व समायोजन स्थापित करता है।"

शिक्षक शिक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ है जिसमें **व्यक्तित्व** का निर्माण समाज एवं राष्ट्र को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है अतः यह जरूरी हो जाता है कि शिक्षकों में **व्यक्तित्व** के स्तर का अध्ययन किया जाए। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन की योजना बनाई गई तथा अध्ययन का शीर्षक इस प्रकार है–

1.2.0 समस्या कथन –

विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व–शीलगुणों के स्तर का अध्ययन

1.30 उद्देश्य –

विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व–शीलगुणों के स्तर का अध्ययन करना।

1.4.0 परिकल्पना –

विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व–शीलगुणों का वितरण सामान्य नहीं पाया जायेगा।

1.5.0 प्रविधि –

प्रस्तुत अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि प्रयुक्त की गई। न्यादर्श के रूप में विज्ञान, कला एवं वाणिज्य संकाय के 573 शिक्षकों को सम्मिलित किया गय शोधकार्य के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए व्यक्तित्व मापन के लिए डॉ. महेश भार्गव द्वारा निर्मित व्यक्तित्व आयाम अनुसूची (क्पउमदेपवदंस च्मतेवदंसपजल प्दअमदजवतल . क्च्) का उपयोग किया गया। यह अनुसूची आर.बी. केटल द्वारा निर्मित सोलह व्यक्तित्व आयाम परीक्षण का भारतीय प्रारूप है। क्च् हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा में पृथक्–पृथक् तैयार की गयी है। इस अनुसूची में व्यक्तित्व के 6 महत्त्वपूर्ण आयामों– सक्रियता– निष्क्रियता (।बजपअपजल.च्ंपअपजल), उत्साही–निरुत्साही (म्दजीनेपेंजपब.छवद.मदजीनेपेंजपब), उद्दण्ड–नम्र (ेमतजपअमै.नइउपेपअम), अविश्वसनीय–विश्वसनीय (नेचपबपवने.ज्तनेजपदह), उदासीन–प्रसन्नचित्त (क्मचतमेपअम.छवद.कमचतमेपअम) तथा संवेगात्मक अस्थिरता– संवेगात्मक स्थिरता (म्उवजपवदंस प्देजंइपसपजल.म्उवजपवदंस ेजंइपसपजल) को सम्मिलित किया गया। व्यक्तित्व मापनी के अन्तर्गत 60 कथनों को 6 भागों में वितरित किया गया।

1.6.0 परिणाम एवं विश्लेषण –

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य " विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों के स्तर का अध्ययन करना" था। इस हेतु विभिन्न संकाय के शिक्षकों पर डॉ. महेश '.भार्गव द्वारा निर्मित व्यक्तित्व आयाम अनुसूची (क्च्) प्रशासित की गयी। फलांकन के पश्चात् प्राप्त प्रदत्तों के आधार पर व्यक्तित्व शीलगुणों के स्तर अनुसार शिक्षकों की संख्या ज्ञात की गई। व्यक्तित्व शीलगुणों के स्तर अनुसार कुल शिक्षक एवं संकाय अनुसार शिक्षकों की संख्या तालिका क्रमांक– 1 में दी जा रही है।

तालिका क्रमांक–1

व्यक्तित्व शीलगुणों के स्तर अनुसार विभिन्न संकाय के शिक्षकों की संख्या के प्रतिशत का विवरण

व्यक्तित्व शीलगुण व्यक्तित्व शीलगुण के स्तर	क्च.ए								क्च.एए								क्च.एएए							
	।	:	ह	:	ैब	:	ज	:	।	:	ह	:	ैब	:	ज	:	।	:	ह	:	ैब	:	ज	:
निम्न	00	00	00	00	01	0ण34	01	0ण17	02	0ण85	03	6ण67	07	2ण39	11	1ण91	15	6ण38	05	11ण11	21	7ण17	41	7ण16
निम्न औसत स्तर से कुछ नीचे	05	2ण13	00	0	00	0	05	0ण87	15	6ण38	03	6ण67	16	5ण46	34	5ण93	46	19ण57	10	22ण22	60	20ण48	116	20ण24
निम्न औसत स्तर	32	13ण62	09	20	45	15ण36	86	15	70	29ण79	12	26ण67	82	27ण99	164	28ण62	111	47ण23	19	8ण09	139	47ण44	269	46ण95
औसत स्तर	102	43ण40	17	37ण78	129	44ण03	248	43ण28	100	42ण55	17	37ण78	128	43ण69	246	42ण93	56	23ण82	07	15ण56	66	22ण53	129	22ण51
उच्च औसत स्तर	92	39ण15	15	33ण33	107	36ण52	215	37ण52	46	19ण57	08	17ण71	56	19ण11	110	19ण20	06	2ण55	04	8ण89	07	2ण39	17	2ण97
उच्च औसत स्तर से कुछ ऊपर	04	1ण70	04	8ण89	11	3ण75	19	3ण32	02	0ण85	02	4ण44	04	1ण37	08	1ण40	01	0ण42	00	00	00	00	01	00ण17
कुल शिक्षक	**235**		**45**		**293**		**573**		**235**		**45**		**293**		**573**		**235**		**45**		**293**		**573**	

व्यक्तित्व शीलगुण व्यक्तित्व शीलगुण के स्तर	क्च़्प्ट								क्च़्ट								क्च़्टप							
	।	:	ह	:	ँब	:	ज	:	।	:	ह	:	ँब	:	ज	:	।	:	ह	:	ँब	:	ज	:
निम्न	100	42ण्55	18	40	119	40ण्61	237	41ण्36	98	41ण्70	17	78ण्37	119	40ण्61	234	40ण्84	55	23ण्40	8	17ण्78	68	23ण्21	131	22ण्86
निम्न औसत स्तर से कुछ नीचे	57	24ण्26	10	22ण्22	80	27ण्30	147	25ण्65	71	30ण्21	7	15ण्56	88	30ण्30	166	28ण्97	51	21ण्70	9	20	64	21ण्84	124	21ण्64
निम्न औसत स्तर	53	22ण्55	12	5ण्10	57	19ण्45	122	21ण्29	43	18ण्50	15	33ण्33	48	16ण्38	106	18ण्50	73	31ण्06	11	29ण्44	85	29ण्01	169	29ण्84
औसत स्तर	22	9ण्36	5	11ण्11	33	11ण्26	60	10ण्47	18	7ण्66	4	8ण्89	32	10ण्92	54	9ण्42	37	15ण्74	12	26ण्67	49	16ण्72	98	17ण्10
उच्च औसत स्तर	03	1ण्28	00	00	4	1ण्37	7	1ण्22	5	2ण्13	2	4ण्44	6	2ण्05	13	2ण्27	19	8ण्09	5	11ण्11	26	8ण्87	50	8ण्72
उच्च औसत स्तर से कुछ ऊपर	00	00	00	00	0	00	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0ण्34	1	0ण्17
कुल शिक्षक	**235**		**45**		**293**		**573**		**235**		**45**		**293**		**573**		**235**		**45**		**293**		**573**	

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार सक्रियता–निष्क्रियता के लिए कला समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर अर्थात सक्रियता से निष्क्रियता की ओर क्रमशः 0, 05, 32, 102, 92 एवं 04 पायी गयी। वाणिज्य समूह के शिक्षकों की संख्या क्रमशः 0, 0, 9, 17, 15 एवं 04 देखी गयी। इसी प्रकार विज्ञान समूह के शिक्षकों की संख्या क्रमशः 1, 0, 45, 129, 107 तथा 11 देखी गयी। सक्रियता–निष्क्रियता के लिए कुल शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 1, 5, 86, 248, 215 तथा 19 पायी गयी।

उत्साही–निरूत्साही के कला समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर अर्थात् उत्साह से निरूत्साह की ओर क्रमशः 2, 15, 70, 100 46 तथा 02 देखी गयी। वाणिज्य समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 3, 3, 12, 17, 08, तथा 02 पायी गयी। इसी प्रकार विज्ञान समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्चस्तर की ओर क्रमशः 7, 16, 82, 128, 56 एवं 04 देखी गयी। उत्साही–निरूत्साही के लिए कुल शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 11, 34, 164, 246, 110 एवं 08 देखी गयी।

उद्दण्ड–नम्र के लिए कला समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर अर्थात उद्दण्डता से नम्रता की ओर क्रमशः 15, 46, 111, 56, 06 एवं 01 देखी गयी। वाणिज्य समूह के शिक्षकों की निम्न से उच्चस्तर की ओर क्रमशः 5, 10, 19, 07, 04 एवं 0 देखी गयी। वहीं विज्ञान समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 21, 60, 139, 66 एवं 07 देखी गयी। उद्दण्ड–नम्र के लिए कुल शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्चस्तर की ओर क्रमशः 41, 116, 269, 129, 17 एवं 1 पायी गयी।

अविश्वसनीय–विश्वसनीय के लिए कला समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर अर्थात अविश्वसनीयता से विश्वसनीयता की ओर क्रमशः 100, 57, 53, 22, 3, एवं 0 पायी गयी। वाणिज्य समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 18, 10, 12, 05, 0 एवं 0 पायी गयी। वहीं विज्ञान समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमश 119, 80, 57, 33, 4 एवं 0 पायी गयी। अविश्वसनीय–विश्वसनीय के लिए कुल शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्चस्तर की ओर क्रमशः 237, 147, 122, 60, 7 एवं 0 पायी गयी।

उदासीन–प्रसन्नचित के लिए कला समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर अर्थात उदासीनता से प्रसन्नचित्तता की ओर क्रमशः 98, 71, 43, 18, 05 एवं 0 देखी गयी। वाणिज्य समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 17, 07, 15, 04, 02, एवं 0 देखी गयी। वहीं विज्ञान समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 119, 88 48, 32, 06 एवं 0 देखी गयी। उदासीन–प्रसन्नचित्त के लिए कुल शिक्षकों की संख्या क्रमशः 234, 166, 106, 54, 13 एवं 0 देखी गयी।

संवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता के लिए कला समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर अर्थात संवेगात्मक अस्थिरता से संवेगात्मक स्थिरता की ओर क्रमशः 55, 51, 73, 37, 19 एवं 0 देखी गयी। वाणिज्य समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 08, 09, 11, 12, 05 एवं 0 देखी गयी। वहीं विज्ञान समूह के शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 68, 64, 85, 49, 26 एवं 1 देखी गयी। संवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता के लिए कुल शिक्षकों की संख्या निम्न से उच्च स्तर की ओर क्रमशः 131, 124, 169, 98, 50 एवं 1 देखी गयी।

सम्पूर्ण तालिका के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि व्यक्तित्व शीलगुण सक्रियता–निष्क्रियता, उत्साही–निरूत्साही तथा उद्दण्ड–नम्र का वितरण लगभग सामान्य की ओर है जबकि अविश्वसनीय–विश्वसनीय, उदासीन–प्रसन्नचित्त तथा संवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता का वितरण सामान्य नहीं है। अतः विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों का वितरण सामान्य नहीं है। इस आधार पर शोध की शून्य परिकल्पना 'विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों का वितरण सामान्य नहीं पाया जायेगा' अस्वीकृत नहीं की जाती है।

विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों के मध्यमान का विवरण तालिका क्रमांक–2 एवं मध्यमानों का दण्ड आरेख 1 में दिया जा रहा है।

तालिका क्रमांक 2

विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों के मध्यमान का विवरण

क्र.	**व्यक्तित्व शीलगुण**	**संकाय**		
		कला	**वाणिज्य**	**विज्ञान**
1.	सक्रियता–निष्क्रियता	14.6851	14.6667	14.6007
2.	उत्साही–निरुत्साही	12.4553	11.2444	12.6792
3.	उद्दण्ड–नम्र	9.4638	9.3556	9.3311
4.	अविश्वसनीय–विश्वसनीय	5.8213	6.622	5.8601
5.	उदासीन–प्रसन्नचित्त	5.5915	6.9333	5.8123
6.	संवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता	8.1021	9.2667	8.1741

ग्राफ क्रमांक–1

विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों के मध्यमानों का दण्ड आरेख

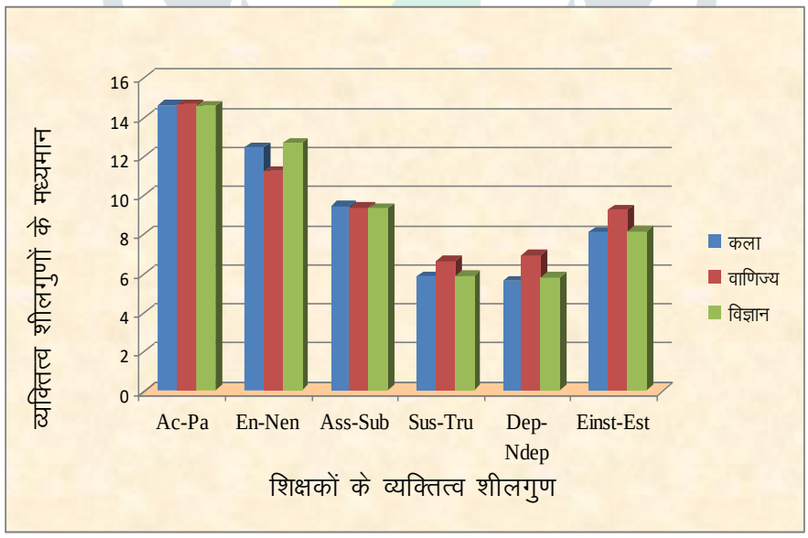

।ब.चं त्र सक्रियता–निष्क्रियता ैने.ज्तन त्र अविश्वसनीय–विश्वसनीय

म्द.छमद त्र उत्साही–निरुत्साही क्मच.छकमच त्र उदासीन–प्रसन्नचित्त

ॊ.नइ त्र उद्दण्ड–नम्र म्पदेज.म्ेज त्रसंवेगात्मक अस्थिरता–संवेगात्मक स्थिरता

1.6.0 निष्कर्ष –

1 विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व–शीलगुणों का वितरण सामान्य नहीं पाया गया। विभिन्न संकाय के शिक्षकों के व्यक्तित्व–शीलगुणों के मध्यमानों का अध्ययन करने से स्पष्ट होता है कि कला संकाय के शिक्षकों में सक्रियता, उद्दण्डता वाणिज्य तथा विज्ञान शिक्षकों की तुलना में अधिक पायी गयी।

2 वाणिज्य संकाय के शिक्षकों में अविश्वसनीयता तथा संवेगात्मक अस्थिरता कला एवं विज्ञान शिक्षकों की तुलना में उच्च पायी गयी।

3 इसी सन्दर्भ में विज्ञान शिक्षक कला एवं वाणिज्य शिक्षकों की तुलना में अधिक उत्साही परन्तु उदासीन पाये गये।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- ठमेजए श्रवीद ॅण ंदक श्रंउमेए टण ;2002द्धण त्मेमंतबी पद म्कनबंजपवदण छमू क्मसीपरू क्वतसपदह ज्ञपदकमतेसमल ;प्दकपंद्ध च्अजण स्जकण
- ळववकए ब्टण ;1959द्धण क्पबजपवदंतल वि म्कनबंजपवदण छमू ल्वता रू डबळतूं भ्पसस ठववा ब्वउचंदलण
- ळनचजंए ठण्क्ण ;1988द्धण प्दजमससपहमदबमए ।करनेजउमदज ंदक च्मतेवदंसपजल छममके वि र्मिमबजपअम जमंबीमते पद ैबपमदबम ंदक ।तजेण न्दचनइसपेीमक क्वबजवतंस जीमेपेए न्दपअमतेपजल वि ।हतंण
- ज्ञण्टण त्ंकीं ;1984द्धण । ब्वउचंतंजपअम ैजनकल वि जीम च्मतेवदंसपजल बैंतंबजमतपेजपबे वि भ्पही ंदक स्वू ैनबबमे ैबपमदबम ज्मंबीमत ज्तंपदपदहण न्दचनइसपेीमक क्वबजवतंस जीमेपेए न्दपअमतेपजल वि ज्ञमतंसंए ज्ञमतंसंण
- रेश्अमतदमए डण्त्ण ;1985द्धण । ैजनकल वि जीम च्मतेवउंसपजल ब्वउचवदमदजे वि ब्तमंजपअम ैजनकमदज ज्मंबीमते पद त्मसंजपवद जव जीमपत ब्वउचमजमदबम जवूंतके ज्मंबीपदहण न्दचनइसपेीमक क्वबजवतंस जीमेपेए न्दपअमतेपजल वि स्नबादवूण
- च्ंदबींनतपए ळण्ज्ञण ;1983द्धण च्तवपिबपमदबल पद ज्मंबीपदह ॅ । थ्नदबजपवद वि च्मतेवदंसपजल थ्ंबजवतेए थ्तनेजतंजपवद ;त्महतमेपवद ंदक ।हतमेपवदद्ध ंदक ैमगण न्दचनइसपेीमक क्वबजवतंस जीमेपेए न्दपअमतेपजल वि ।हतंए ।हतंण
- ैवउए च्ण ;1984द्धण ज्मंबीमते च्मतेवदंसपजल ंदक जीमपत ।जजपजनकमे जवूंतके ज्मंबीपदह ंदक त्मसंजमक ।तमंण न्दचनइसपेीमक क्वबजवतंस जीमेपेए न्दपअमतेपजल वि ब्ंसबनजजंण
- बघेल, डी.एस. और बघेल, श्रीमती किरण (2008). अनुसन्धान पद्धति शास्त्र. भोपाल : कैलाश पुस्तक सदन.
- गैरेट, हेनरी ई. (1972). शिक्षा एवं मनोविज्ञान में सांख्यिकी. कल्याण पब्लिशर्स.
- राय, पारसनाथ (2007). अनुसन्धान परिचय. आगरा : लक्ष्मीनारायण अग्रवाल.
- सिंह अरुण कुमार और सिंह, आशीष कुमार (2005). व्यक्तित्व का मनोविज्ञान. नई दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास.